सुराज कॉमिक्स

सबका मित्र
ई–मित्र

मैं मानती हूँ कि लोगों को सरकारी सेवाएं पारदर्शी और आसान तरीके से चाहिए। इस सोच के साथ काम करते हुए हमने आई.टी. व कम्प्यूटर की मदद से लोगों तक सरकारी सेवाएं पहुंचाने का तरीका पूरी तरह बदल कर रख दिया है।

हमारा लगातार यही प्रयास है कि आप लोगों के ज़्यादा से ज़्यादा काम बिना किसी सरकारी दफ्तर के चक्कर काटे, कम्प्यूटर और आपके मोबाइल पर ही हो जाएं... न समय लगे और न ही किसी तरह की परेशानी हो।

श्रीमती वसुन्धरा राजे
माननीय मुख्यमंत्री, राजस्थान

सबका मित्र ई-मित्र
राजेश राजस्थान में अपने मामा मूलचंद के घर आया है। वह दूसरे राज्य में रहता है और प्राइवेट जॉब करता है। वो यहाँ आता रहता है इसलिए यहाँ उसके कई दोस्त हैं। यहाँ उसे पुराना दोस्त महेन्द्र मिलता है। रवि गांव में ई-मित्र संचालक है।
अरे राजेश! कब आये?
बस, कल रात को आया हूँ।
बहुत दिनों में देखा है तुम्हें। आजकल मामा के कम ही आते हो क्या?
हाँ यार, अब वो पहले वाली बात कहाँ? काम धंधो में लग गये और जॉब में तुम जानते ही हो, कहाँ टाइम मिलता है? अभी दो छुट्टियाँ थी, इसलिए मिलने आ गया।
बहुत अच्छा किया।
और तुम कहाँ जा रहे हो?
यार ई-मित्र जा रहा हूँ।
बिल जमा करवाने?

नहीं यार वो बेटी का जन्म प्रमाण-पत्र बनवाना है।
जन्म प्रमाण पत्र, ई-मित्र पर ? वहाँ तो बिल जमा होते हैं ना ?
अरे भई किस ज़माने में हो ? ई-मित्र पर तो अब कई सरकारी काम होते हैं।
अच्छा ?
हाँ ! राजस्थान में तो सरकार ने बहुत से सरकारी काम करवाने की सुविधा ई-मित्र पर ही कर दी है। चाहे मूल-निवास बनवाओ, विवाह प्रमाण-पत्र बनवाओ या फिर भामाशाह, आधार कार्ड बनवाना हो।
तो फिर दूर-दूर के गांवों से आते होंगे लोग।
राजस्थान में तो लगभग हर गांव में ई-मित्र है। कुल 40,000 से ज्यादा ई-मित्र हैं। और यहाँ तो अपने रवि ने ही ई-मित्र खोल रखा है।
रवि...वही जो अपने साथ वॉलीबॉल खेलता था!
हाँ वही, मैं उसी के पास जा रहा हूँ।

उससे तो मिले बहुत टाइम हो गया।
चल यार, मैं भी चलता हूँ।
दोनों ई-मित्र पर पहुँचते हैं।
ई-मित्र केन्द्र
किराना
आओ महेन्द्र, आज कैसे?
यार बेटी का जन्म प्रमाण-पत्र बनवाना था।
अच्छा। अरे ये तो राजेश है ना?
हाँ भाई सही पहचाना।
आज कैसे रास्ता भूल गये?
वो महेन्द्र आ रहा था तुम्हारे ई-मित्र पर। सोचा, मैं भी तुमसे मिल चलूं।
बहुत अच्छा किया राजेश।
सुना है... बहुत से सरकारी काम यहाँ ई-मित्र पर होते हैं।

हाँ, 300 से ज्यादा सरकारी और प्राइवेट सेवाएं है मेरे ई-मित्र पर। राशनकार्ड बनवाना, परीक्षाओं की फीस जमा करना, परीक्षाओं के आवेदन करना, खेती से जुड़ी योजनाओं में अनुदान के लिए आवेदन, जाति-प्रमाण पत्र बनवाना सब होता है यहां। लगभग सभी सरकारी दफ्तरों के काम यहां होते हैं।
तो तुझे क्या सरकार देती है तनख्वाह ?
ये रेट लिस्ट देख रहा है? सरकार ने हर सेवा की रेट फिक्स कर रखी है। रेट कम होने से लोगों को भी दिक्कत नहीं है। लोगों का थोड़े से पैसे में काम हो जाता है और हर सेवा के लिए सरकार मुझे एक निश्चित राशि यानि सर्विस-चार्ज देती है जो कि सीधा मेरे खाते में आ जाती है।
ई-मित्र की प्रमुख सेवाओं की निर्धारित दरें.
सेवाएं -
शुल्क (₹)
• नये राशन कार्ड के लिए आवेदन 30
• राशन कार्ड का प्रिंट 20
• सदस्य का नाम जुड़वाना, हटवाना, अन्य सुधार 20
सरकार ने ये तो बहुत बढ़िया काम कर दिया।
तुझे पता है...ई-मित्र से राज्य में हर महिने 50 से 60 लाख ट्रांजेक्शन होते हैं।

तुझे कैसे पता ?
अरे भाई, ई-मित्र पर वीडियो-कान्फ्रेन्सिंग होती है ना, उससे सब पता चल जाता है।
गांव में वीडियो-कॉन्फ्रेन्सिंग!
हाँ, 10,000 ग्राम पंचायतें सीधे मुख्यमंत्री ऑफिस से जुड़ी हैं। जाते टाइम देखना अटल सेवा केन्द्र पर राजनैट की छतरी लगी है। उसी का कमाल है ये सारा।
अटल सेवा केन्द्र
वाह भाई! अब ना किसी दफ्तर के चक्कर, ना समय खराब। बस गांव के गांव में एक ही जगह सारे काम। हम तो प्राइवेट जॉब में लग रहे हैं, पर तेरा तो गांव में खुद का बिजनेस सैट हो गया।
हां सही कहा, अब तो लोग रवि को नाम से जानते है।
हां...ई-मित्र खोलने के बाद गांव में नाम चलता है तेरे भाई का।
हा हा हा

चाय आती है।
ले-चाय पी।
मूल निवास
काकी आती है।
काकी, धोक।
खुश रह, तू तो मूलचंद का भांजा है ना राजेश?
हां...छुट्टियां थी तो सोचा मामा-मामी से मिल चलूं। कई दिन हो गये थे।
और आप यहां ई-मित्र पर कैसे?
खाते से पैसे निकलवाने आई हूँ रवि से।
हैं! कौनसा ए.टी.एम. लगा रखा है तूने?
आ तुझे भी दिखाऊं ये कैसे काम करता है।
रवि कार्ड स्वाइप करता है।
काकी, पिन नम्बर डालना।

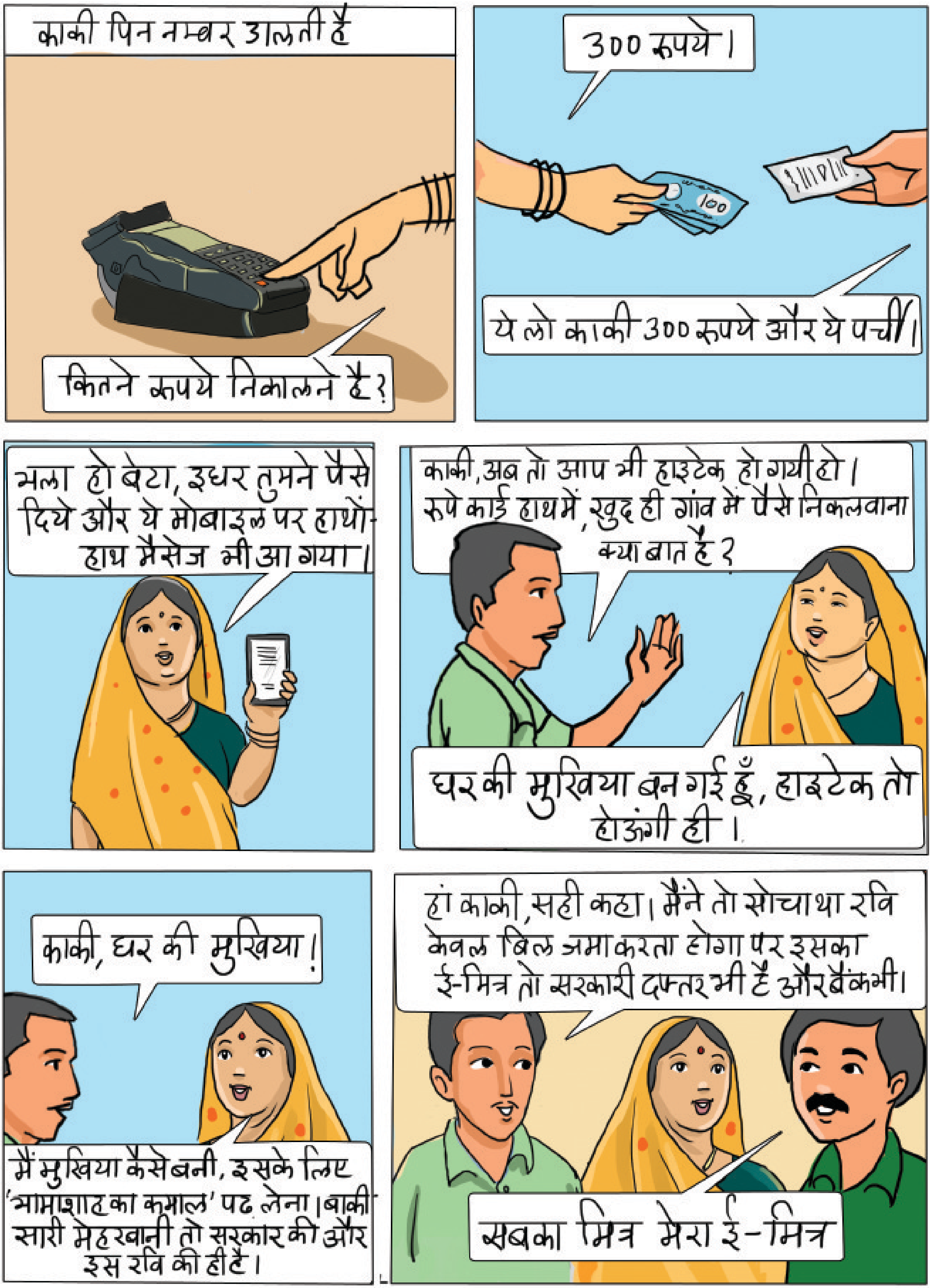
काकी पिन नम्बर डालती है
कितने रूपये निकालने है?
300 रूपये।
ये लो काकी 300 रूपये और ये पर्ची।
भला हो बेटा, इधर तुमने पैसे दिये और ये मोबाइल पर हाथों-हाथ मैसेज भी आ गया।
काकी, अब तो आप भी हाइटेक हो गयी हो। रूपे कार्ड हाथ में, खुद ही गांव में पैसे निकलवाना क्या बात है?
घर की मुखिया बन गई हूँ, हाइटेक तो होऊंगी ही।
काकी, घर की मुखिया!
मैं मुखिया कैसे बनी, इसके लिए 'भामाशाह का कमाल' पढ़ लेना। बाकी सारी मेहरबानी तो सरकार की और इस रवि की ही है।
हां काकी, सही कहा। मैंने तो सोचा था रवि केवल बिल जमा करता होगा पर इसका ई-मित्र तो सरकारी दफ्तर भी है और बैंक भी।
सबका मित्र मेरा ई-मित्र

स्मार्ट संजय
संजय गांव में आदर्श राजकीय स्कूल में टीचर है। उसे अपने ई-वॉल्ट में आये मूल निवास प्रमाण पत्र का प्रिंट लेना है। इसलिए वह रवि के ई-मित्र पर आया है।
आओ संजय।
अरे वाह, महेन्द्र भी यहीं है। इन भाईसाहब को कहीं देखा है...
नहीं पहचाना? तुम्हें बहुत बार वॉलीबॉल में हराया है!
अरे ये मूलचंद जी का भांजा है।
अच्छा, होली चौक वाले। यार तुम्हारे साथ तो बहुत खेले हैं।
चलो पहचाना तो सही।
पर अब संजय मास्टर जी बन गये है।
और बताओ संजय ई-मित्र पर कैसे?
यार मूल निवास निकलवाना था।

अच्छा, तो क्या मूल-निवास के लिए आवेदन करना है ?
वो तो कब का कर दिया ई-मित्र मोबाइल-ऐप पर। बनकर ई-वॉल्ट में भी आ गया बस खुद की फाइल में लगाने के लिए प्रिंट निकलवाना है।
हाँ, अब तो ऐप का काम बढ़िया हो गया।
तो क्या ई-मित्र का ऐप भी है ?
ये देख... ई-मित्र मोबाइल ऐप।
ई-मित्र के सारे काम ऐप पर भी हो जाते हैं क्या ?
हां, बिल्कुल।
तुमने आवेदन तो ऐप से किया था लेकिन डॉक्यूमेंट कहाँ जमा करवाएं ?
वो तो मैंने पहले ही ई-वॉल्ट पर SSO यूजर नेम, पासवर्ड बनाया हुआ है। मोबाइल से फोटो खींचकर या स्कैन करके वहाँ डॉक्यूमेंट सेव कर लो।

ई-वॉल्ट ?
राज ई-वॉल्ट
ई-वॉल्ट एक तरह से ऑनलाइन अलमारी है जहां पोर्टल या मोबाइल ऐप पर अपने डॉक्यूमेंट ऑनलाइन रख लो और जरूरत पड़े तो वहीं से ले लो।
और अगर अटेस्टेड कराना पड़ा तो ?
अटेस्टेड क्यों ? वहाँ रखे डॉक्यूमेंट्स ई-साइन से प्रमाणित हो जाते हैं।
यानि एक और पासवर्ड याद रखो।
बस... सिंगल साइन इन का यूजर नेम पासवर्ड बना लो वो सरकार की हर एप्लीकेशन में चला जाता है। भामाशाह, ई-मित्र, ई-वॉल्ट, ई-साइन सब जगह।
SSOID/ Username
Forgot SSOID/ Username?
Password
Forgot Password?
4 7 0 6 7 0
Enter Captcha
REGISTER
LOGIN
CANCEL
यानि हर बार डॉक्यूमेंट फोटो कॉपी भी नहीं करवाने।
नहीं, आधार या भामाशाह नम्बर डालते ही अपने आप अटैच हो जाते हैं।
काम होने की क्या गारंटी ?
आपका काम नहीं अटकता क्योंकि आपको हर चीज का मोबाइल पर मैसेज मिलता है। ई-मित्र पोर्टल या मोबाइल एप पर कभी भी अपने आवेदन का स्टेटस देख सकते हो। काम ना हो, तो 'राजस्थान सम्पर्क' के माध्यम से समस्या का समाधान किया जा सकता है।

और डॉक्यूमेंट बनने के बाद कहां से लेकर आओ?
वो तो सीधा आपके ई-वॉल्ट में ही आ जाएगा। मैसेज भी मिल जायेगा और मेल भी।
भई संजय, बात ही करता रहेगा या अपना ई-वॉल्ट पासवर्ड डालेगा ताकि मैं प्रिंट दूं।
हां ले अभी।
ये दिया प्रिंट और ये आया तेरा मूल निवास प्रमाण-पत्र।
धन्यवाद भाई।
तू ये प्रिंट तो ले रहा है संजय, पर ये सब जगह चलेगा ना?
ये संजय भले ही न चले पर इसका ये मूल निवास जरूर चलेगा। ये सरकार द्वारा जारी दस्तावेज है जो विभाग से अटेस्टेड है। और ये देख बार कोड, इसको स्कैन करने से पता-चल जाता है कि यह एकदम सही है।

संजय तूने ये ई-मित्र की मोबाइल ऐप कहाँ से डाउनलोड की ?
प्ले-स्टोर से राज ऐप सेंटर डाउनलोड कर लो। सरकार से जुड़ी कई मोबाइल ऐप वहीं मिल जाएगी।
यानि अब सरकारी काम घर बैठे करवा लो, कहीं लाइन में नहीं लगना।
हां। अब नो लाइन, सरकारी काम ऑनलाइन।
देखा संजय और रवि जैसे स्मार्ट लोगों से गांव स्मार्ट हो रहा है।
हां स्मार्ट भी और डिजिटल भी।
प्लेस्टोर से ई-मित्र ऐप डाउनलोड करें।
e-mitra

कैसे बनी ताई परिवार की मुखिया?

जानने के लिए पढ़ें...

डाउनलोड करें

सरकार से जुड़े सभी काम अब हो सकते हैं
आपके कम्प्यूटर और मोबाइल से भी।
क्या आपने इनका फ़ायदा उठाया?

आयोजना एवं सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग

राजस्थान सरकार